टैंकरों से पेयजल व्यवस्था 31 दिसंबर तक, किसानों के लिए चारा डिपो खुलेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पश्चिम राजस्थान के आठ जिलों के 2824 करोड़ रूपए के कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण किया

बाड़मेर/जयपुर, 30 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर नीति और जनकल्याणकारी योजना के केन्द्र में 'नागरिक देवो भव' का संकल्प है। उनके

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जिस कार्य का शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी समय पर करती है। इस क्रम में जोधपुर संभाग में विद्युत, चिकित्सा, सड़क से जुड़े सवा सात सौ करोड़ रूपए के कार्यों का लोकार्पण किया गया।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बाड़मेर के बाछड़ाऊ में जोधपुर संभाग के लिए 2 हजार 824 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इसी विजन के साथ राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाया है, जिसके तहत राज्य में पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार एवं सड़क सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को बाड़मेर के बाछड़ाऊ में जोधपुर संभाग के बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, पाली, फलोदी और सिरोही जिलों के लिए 2 हजार 824 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के एक हजार से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने बाड़मेर जिले में कम वर्षा के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए किसानों, पशुपालकों एवं आमजन को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। उन्होंने गर्मी के दौरान संचालित की गई आकस्मिक पेयजल व्यवस्थाएं तथा टैंकरों के माध्यम से जल परिवहन की सुविधा 31 दिसंबर तक निरंतर जारी रखने, कम वर्षा वाले क्षेत्रों में आवश्यक आकस्मिक कार्यों को गति देने के लिए जिला कलेक्टर के माध्यम से एक करोड़ रुपये तक के कार्यों की स्वीकृति और चारे की कमी से प्रभावित बाड़मेर, बालोतरा एवं जैसलमेर सहित क्षेत्रों में चारा डिपो शुरू करने और चारा डिपो के सुचारु संचालन की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जिस कार्य का शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी तय समय पर करती है। इसी क्रम में जोधपुर संभाग में विद्युत क्षेत्र के 405 करोड़ रुपये के 63 कार्य, चिकित्सा क्षेत्र के 197 करोड़ रुपये के 10 कार्य, सड़क से जुड़े 125 करोड़ रुपये के 87 कार्य, 21 करोड़ रुपये की लागत से पाली में राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय भवन और ग्रामीण क्षेत्रों के ढ ांचागत विकास के लिए 10 करोड़ रुपये से अधिक के 62 कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 30 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और पारस्परिक हित के

- **दोनों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।**

अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए घनिष्ठ संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को बढ़ ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

अरब सागर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदिग्ध ईरानी नाव को रोका। नाव की पहचान करने और लगातार निगरानी व पीछा करने के बाद तटरक्षक बल की टीम ने उस पर चढ़ कर तलाशी ली। इस दौरान 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन जब्त की गई, जिसकी कीमत 3,000 करोड़ से ज्यादा है।

जांच एजेंसियों को आशंका है कि ड्रग्स की यह खेप समुद्री रास्ते से लक्षद्वीप होते हुए मुंबई पहुंचाई जानी थी। संयुक्त कार्रवाई में इसे गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया गया।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वापस शुरु हुई टाइगर- लायन सफारी

टाइगर ''शिवाजी'' के हमले से महिला मजदूर की मौत के बाद 4 सितंबर से बंद है यह सफारी

- **टाइगर ''शिवाजी'' को क्वारंटीन में रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करके तथा सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा कर, वन विभाग ने वापस सफारी शुरु करने का निर्णय लिया।**

जयपुर, 30 सितंबर। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघ के हमले की घटना के बाद करीब एक महीने से बंद टाइगर और लॉयन सफारी बुधवार 30 सितंबर को फिर शुरू कर दी गई। दो सितंबर को टाइगर ''शिवाजी'' के हमले में एक महिला मजदूर की मौत हो गई थी, जिसके बाद वन विभाग ने 4 सितंबर से सफारी को आगामी आदेश तक बंद कर दिया था। इसके बाद टाइगर ''शिवाजी'' को भी क्वारंटीन में रखा गया था। सफारी बंद रहने के कारण करीब एक महीने तक सफारी वाहन खड़े रहे।

एसीएफ जितेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि सफारी शुरू करने के लिए मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक केसीए अरुण प्रसाद और डीएफओ आशीष व्यास की स्वीकृति ले ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आवश्यक इंतजाम पूरे करने के बाद सफारी बहाल की गई है। वन विभाग ने इस दौरान पार्क की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सामने आई कमियों को दूर किया है।

ज्ञातव्य है कि गत दो सितंबर की सुबह नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में सात महिला मजदूर टाइगर ''शिवाजी'' के एनक्लोज़र में घास काट रही थीं। इसी दौरान वन विभाग के केयरटेकर ने, मजदूरों को वहाँ से हटाए बिना, एनक्लोज़र के अंदर बने पिंजरे का गेट खोल दिया, जिससे बाघ डिस्प्ले एरिया में आ गया। बाघ ने वहां काम कर रही महिलाओं का पीछा किया।

बाघ से बचने के लिए महिलाओं ने एनक्लोज़र में लगे पेड़ों और जाल का सहारा लिया। इसी दौरान, बाघ ने एक महिला पर हमला कर उसे नीचे गिरा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। छह अन्य महिलाओं ने जाल पर चढ़कर, बाहर की ओर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई।

घटना के बाद वन विभाग ने टाइगर और लॉयन सफारी को 4 सितंबर से बंद कर दिया था। अब करीब चार सप्ताह बाद सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा और आवश्यक सुधार के बाद पर्यटकों के लिए दोनों सफारी फिर खोल दी गई हैं।

अखिलेश यादव ने पार्टी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कॉरपोरेट और फिल्म जगत के साथ पार्टी के पुराने संबंध को फिर से कायम करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। नाथवानी रिलायंस के जामनगर मैन्युफैक्चरिंग, जियो गुजरात के संचालन तथा ऊर्जा और रक्षा से जुड़े नये कारोबार की देखरेख करते हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के प्रमुख भी हैं।

अखिलेश के इस कदम के समय के बारे में इंडिया गठबंधन पर भी सवाल उठ रहे हैं। राहुल गांधी बार-बार अडानी-अंबानी की ''मोनोपोली'' को क्रोनी कैपिटलिज़्म, (सांठगांठ वाला पूंजीवाद) का उदाहरण बताते रहे हैं। ऐसे में रिलायंस के एक वरिष्ठ अधिकारी को उम्मीदवार बनाने से टकराव की स्थिति बन सकती है। फिर भी, उत्तर प्रदेश की व्यावहारिक राजनीति, जहां समाजवादी पार्टी गठबंधन की प्रमुख सहयोगी है, यह संकेत देती है कि गठबंधन इस विरोधाभास को संभाल लेगा। अखिलेश आज इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन 2027 के विधान सभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है।

समाजवादी पार्टी के लिए इसके फायदे स्पष्ट हैं, कॉरपोरेट नेटवर्क तक पहुंच, संभावित आर्थिक सहयोग, प्रबंधन का अनुभव और व्यावहारिक राजनीति का संकेत। इससे शहरी और कारोबारी मतदाताओं के बीच पार्टी की छवि बेहतर होती है, और साथ ही, उसका पीडीए वोट बैंक भी नाराज़ नहीं होता।

केन्द्र सरकार ने दलहन व तिलहन की एमएसपी में वृद्धि की

दलहन व तिलहन की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए इनकी एमएसपी गेहूं के मुकाबले अधिक बढ़ाई है

नई दिल्ली, 30 सितंबर। केन्द्र सरकार ने इस बार गेहूं की तुलना में दलहन और तिलहन पर ज्यादा दांव लगाया है। रबी विपणन सीजन 2027-28 के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में केवल 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ ोतरी की गई है, जबकि मसूर में 390 रुपये, रेपसीड-सरसों में 413 रुपये और कुसुम में 675 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

चने के एमएसपी में 83 रुपये और जौ में 136 रुपये की बढ़ ोतरी हुई है। एमएसपी में यह अंतर सरकार की उस रणनीति का संकेत है, जिसके तहत किसानों को धान-गेहूं जैसी फसलों के अतिरिक्त, दलहन और तिलहन की खेती के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये से बढ़ कर 2610 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। मसूर का एमएसपी 7000 से बढ़ कर 7390 रुपये और रेपसीड-सरसों का 6200 से बढ़ कर 6613 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

- **यह भी माना जा रहा है कि गेहूं की एमएसपी में अधिक वृद्धि की आवश्यकता इसलिए नहीं है क्योंकि गेहूं का पर्याप्त स्टॉक देश में उपलब्ध है, जबकि देश को हर वर्ष बड़ी मात्रा में दलहन व खाद्य तेलों का आयात करना पड़ता है।**

सबसे ज्यादा वृद्धि कुसुम के एमएसपी में हुई है, जिसे 6540 से बढ़ कर 7215 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। चने का एमएसपी 5875 से बढ़ कर 5958 रुपये और जौ का 2150 से बढ़ कर 2286 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

माना जा रहा है कि गेहूं के एमएसपी में ज्यादा वृद्धि की जरूरत इसलिए नहीं पड़ी कि बफर स्टाक में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में गेहूं उपलब्ध है, जबकि देश को हर वर्ष बड़ी मात्रा में दलहन और खाद्य तेलों का आयात करना पड़ता है।

देश में दालों और खाद्य तेलों की मांग लगातार बढ़ रही है। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए दलहन-तिलहन का उत्पादन बढ़ ाना जरूरी है। किसानों को इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित करना इस रणनीति का हिस्सा है।

'बिड़ला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को बताया गया की हाईकोर्ट ने 31 मई, 2012 को शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार और नगर निगम को 16 बिंदुओं पर निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद अभी तक आदेश की प्रभावी पालना नहीं हुई। शहर के बिरला मंदिर के पीछे स्थित गणेश नगर व तिलक नगर सहित अन्य कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं हो रही है। याचिकाकर्ता ने बताया की अदालत ने पूर्व में सुनवाई करते हुए निगम आयुक्त को यहां सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने को कहा था और जरूरत पडने पर पुलिस बल को साथ ले जाने को कहा था। इसके बावजूद अभी तक यहां सफाई नहीं हो रही है। मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार और निगम आयुक्त को इन कॉलोनियों में सफाई को लेकर शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

ऐप आधारित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की है। सुनवाई के दौरान सहगल के वकील ने कोर्ट में कहा कि ऐप आधारित कम्पनियां दिल्ली-एनसीआर में दो लाख से अधिक कैब चलाती हैं, लेकिन रात में ड्राइवरों की कोई जांच नहीं होती। यह पता नहीं चल पाता कि टैक्सी चालक ने अल्कोहल का सेवन कर रखा है या नहीं? उन्होंने बाइक टैक्सी और कैब का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के तौर-तरीकों में बड़े बदलाव की मांग की।

बडगाम में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में लश्कर का आतंकी मारा गया

इलाके में आतंकवादियों के होने की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया था

बडगाम, 30 सितंबर। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बडगाम जिले के गुरवटकालान इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस के अनुसार, इलाके में आतंकवादियों के होने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। इलाके को घेर लिया गया है। अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके पर भेजा गया है।

हालांकि कश्मीर की चिनार कोर ने मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं बताई है, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने

- **मारे गये आतंकी की पहचान लश्कर-ए-तैयबा के सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में हुई। मूसा का मारा जाना लश्कर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।**

उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में की है।

सेना ने एक्स पर जानकारी दी कि उन्होंने दूसरे सुरक्षाबलों के साथ मिलकर सेंट्रल कश्मीर के कोराग, यूसमर्ग के जनरल इलाके में एक ऑपरेशन शुरू किया। चौकस सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इसके बाद चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलियां चलाईं, जिसके बाद दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान मूसा को दूधपथरी के दूर के जंगल वाले इलाके में मार गिराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मूसा पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ हुए कई हमलों में शामिल था। इस महीने की शुरुआत में यूसमर्ग पहाड़ियों में हुए एक एनकाउंटर से वह बच निकला था। उसका करीबी यासिर 5 सितंबर को उस एनकाउंटर में मारा गया था। अधिकारियों ने कहा कि मूसा का मारा जाना जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

'ब्याज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दायर करते हुए कहा कि रेरा के आदेश पर रोक लगाई जाए, हमें चुकाई गई राशि ब्याज समेत दिलाने के बजाय पजेशन दिलाया जाए। साथ ही प्रोजेक्ट की मार्च 2022 की डेडलाइन के बाद हुई देरी से लेकर अब तक प्रतिवर्ष 18 प्रतिशत का ब्याज दिलाया जाए। इस पर ट्रिब्यूलन ने आदेश सुनाया कि रेरा एक्ट 2016 की धारा 18 में स्पष्ट हैं कि आवंटी को अधिकार है कि पजेशन तय समय पर नहीं मिलने के कारण, वह भुगतान की गई मुआवजा राशि लेना चाहता है अथवा पजेशन। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से मांगे गए 18 प्रतिशत ब्याज के बजाय 10.70 प्रतिशत ब्याज, के साथ पजेशन देने के आदेश दिए हैं। यह ब्याज राशि प्रोजेक्ट की डेडलाइन मार्च 2022 से लेकर प्रोजेक्ट की पूर्णता अवधि का सर्टिफिकेट जारी होने तक देनी होगी।

फ्लाई दुबई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देश में इज़रायलियों के आगमन की एक दुर्लभ घटना थी, क्योंकि सऊदी अरब के इज़रायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं।

संभावना है कि इज़रायल, यात्रियों को सऊदी अरब से वापस लाने के लिए अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन ''एल अल'' का सैन्य या नागरिक विमान भेजेगा।

'आपके अधीन चल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल पर पकड़ा गया था, तो एफआईआर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार के खिलाफ क्यों दर्ज की गई? लोग पुलिस पर भरोसा कैसे करें?

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शुरुआत से ही एकतरफा तरीके से जांच की। उसका दावा था कि मौके पर पकड़े गए मोटरसाइकिल सवार का नाम एफआईआर में दर्ज ही नहीं किया गया और आरोपी के नाम वाला कॉलम खाली छोड़ दिया गया।

बाद में उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप और स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने के बाद, पुलिस ने आरोप पत्र में मोटरसाइकिल सवार का नाम शामिल किया, लेकिन बाद में उसे क्लीन चिट दे दी।

याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि जब मोटरसाइकिल जब्त की गई थी, तब उस पर नंबर प्लेट नहीं थी, लेकिन बाद में जाँच के दौरान उसमें एक रजिस्ट्रेशन नंबर जोड़ दिया गया।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने यह भी कहा कि ''आँख बंद करके आदेश मानना एक बात है, पर उल्टा लटक कर गलत आदेश की पालना करना दूसरी बात है। पर सही-गलत काम पर लीपापोती तो बर्दाश्त नहीं की जा सकती।'' पीठ ने यह भी सवाल किया कि मौके पर पकडे गए आरोपी का नाम एफआईआर में क्यों नहीं शामिल किया गया।

पीठ ने पूछा, ''अगर परिस्थितियां आपके पक्ष में होतीं, तो शायद आप नाम बदल देते या अपने किसी परिचित व्यक्ति का नाम डाल देते... क्या वहां इसी तरह काम होता है?''

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दाखिल जवाबी हलफनामे को ''पूरी तरह निराशाजनक'' भी बताया।

इसके बाद अदालत ने संबंधित पुलिस अधिकारी को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि अधिकारी बेहतर हलफनामे के साथ आएं और यह स्पष्ट करें कि मोटरसाइकिल सवार का नाम एफआईआर में क्यों दर्ज नहीं किया गया था।

कुल्हाड़ी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भर्ती कराया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों के बीच देर रात तक पब्जी खेलने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त सहित, अन्य को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को दंडित करते हुए, अन्य लोगों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है।

बयाना के गाँव के सूखे कुएं से 5 करोड़ रूपए की दवाएं पकड़ी गईं

औषधि नियंत्रण विभाग ने जब्त किए 274 कार्टून, दवाओं के 10 सैम्पल, जाँच के लिए भेजे

जयपुर, 30 सितंबर। भरतपुर जिले की बयाना तहसील के खटनावाली गांव में औषधि नियंत्रण विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए, एक सूखे कुएं से करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य की 274 कार्टन दवाइयां जब्त की हैं। दवाइयों की गुणवत्ता जाँच के लिए 10 नमूने लिए गए हैं।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सहायक औषधि नियंत्रक, भरतपुर के नेतृत्व में औषधि नियंत्रण अधिकारियों की टीम ने स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से कार्रवाई की। बरामद हुई दवाइयों में हृदय रोग, डायबिटीज़ और एलर्जी के उपचार में इस्तेमाल होने वाली लोसार-50, जानुमेट, केटोरोल-एम, एलेग्रा-एम और जालरा जैसी दवाइयां शामिल हैं।

- **दवाओं की वास्तविकता, गुणवत्ता, बैच नम्बर, सप्लाई चेन आदि की निर्माण स्तर से जाँच की जा रही है। यह भी जाँच की जा रही है कि कहीं अवधि पार दवाओं को अवैध रूप से उनकी समाप्ति तारीख बदल कर दोबारा बेचने का मामला तो नहीं है।**

औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में दवाइयों को सूखे कुएं में छिपाकर रखना प्रथम दृष्टया गंभीर और संदिग्ध मामला है। दवाइयों की वास्तविकता, गुणवत्ता, बैच नंबर, निर्माण व समाप्ति तिथि, स्रोत तथा निर्माता स्तर से पूरी सप्लाई चेन की जांच की जा रही है। यह भी जांच हो रही है कि कहीं अवधि-पार दवाइयों को अवैध रूप से निकालकर उनकी समाप्ति तिथि बदलकर दोबारा बाजार में बेचने के लिए तो नहीं छिपाया गया था।

औषधि नियंत्रण अधिकारी श्रीमती कोमुदी सिंह ने गुणवत्ता जांच के लिए 10 नमूने लिए हैं। दवाइयां जब्त करके वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और मामले में लिप्त लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

औषधि नियंत्रक अजय फाटक ने बताया कि मामले की सूचना औषधि नियंत्रक उत्तर प्रदेश, औषधि निरीक्षक आगरा और संबंधित निर्माता कंपनियों को दी गई। इसके बाद, आगरा में भी संबंधित दवाइयां जब्त की गईं और थाना मलपुरा, आगरा में एफआईआर दर्ज कराई गई है। विभाग, निर्माता स्तर पर दवाइयों का बैच-वार सत्यापन तथा वितरण और सप्लाई से जुड़े अभिलेख जुटा रहा है।

'2024 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका यह मुद्दा उठाने का इरादा नहीं था, लेकिन वे यह जरूर कहना चाहेंगे कि नीतीश कुमार वास्तव में इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे थे। इंडिया गठबंधन का संयोजक बनने की उनकी कोशिश केवल दिखावा थी, क्योंकि इससे पहले उन्होंने उनसे (खड़गे) से कहा था कि वे राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का समर्थन करते हुए, राज्य की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं।''

बिहार में गंडक नदी का तटबंध टूटा, दर्जनों गांव बाढ़ से घिरे

सारण, 30 सितंबर। सारण में गंडक नदी के बढ़ ते जलस्तर के बीच मकेर प्रखंड में तटबंध टूटने से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। बाघा कोल और हैजलपुर गांव के समीप तटबंध टूटने के बाद पानी का तेज बहाव दर्जनों गांवों की ओर फैल गया। देखते ही देखते निचले इलाकों में पानी भर गया और कई घरों तक बाढ़ का पानी पहुंच गया। खेत जलमग्न हो गए, जबकि बड़ी संख्या में मवेशी भी पानी से घिर गए।

- **ग्रामीण क्षेत्र में रास्तों में पानी भरा, मवेशियों को बचाना चुनौती बना**

बाघा कोल और हैजलपुर गांव के समीप पानी के अत्यधिक दबाव के कारण तटबंध में पहले दरार पड़ी। इसके बाद पानी का दबाव लगातार बढ़ ता गया और दरार चौड़ी होती चली गई। कुछ ही देर में तटबंध का एक हिस्सा टूट गया। इसके बाद गंडक का पानी तेज बहाव के साथ आसपास के गांवों की ओर फैलने लगा।

तटबंध टूटने के बाद ग्रामीणों के आवागमन वाले रास्तों पर भी पानी भर गया। कई परिवारों के सामने घर का सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और मवेशियों को बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। निचले इलाकों में पानी बढ़ ने से ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है।

तटबंध टूटने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया है। टूटे तटबंध को तत्काल दुरुस्त करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है, ताकि पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सके और आसपास के अन्य गांवों में पानी फैलने से रोका जा सके। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों और मवेशियों की सुरक्षा पर भी नजर रखी जा रही है। जरूरत के अनुसार प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908